फॉर्टिस एस्कॉर्ट्स ने लांच की आधुनिक न्यूरो नेविगेशन और न्यूरो इंटरवेंशन टेक्नोलॉजी

फॉर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल ने दो और नई तकनीक न्यूरो नेविगेशन तथा न्यूरो इंटरवेन्शन मरीजों की चिकित्सा के अच्छे परिणाम देने के लिए पेश की है। हॉस्पिटल में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इन तकनीकों को लांच किया गया।

जयपुर, (कासं.)। जहां तक नई तकनीकों का सवाल है, इस मामले में फॉर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल, जयपुर राजस्थान में विभिन्न चिकित्साओं के लिए अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी लाने में अव्वल रहा है। एंजियोग्राफी के लिए थ्रीडी आईवीयूएस, मिनिमल इनवेसिव यूरोलॉजी के लिए होलियम लेसर तकनीक, वेरिकॉस वेन्स के लिए रेडियो फ्रिक्वेंसी एबिलेशन तथा ज्वाइंट रिप्लेसमेंट के लिए पिनलैस नेविगेशन टेक्नोलॉजी जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के बाद अब फॉर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल ने दो और नई तकनीक न्यूरो नेविगेशन तथा न्यूरो इंटरवेन्शन न्यूरो मरीजों की चिकित्सा के अच्छे परिणाम देने के लिए पेश की है। हॉस्पिटल में मंगलवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इन तकनीकों को लांच किया गया।

न्यूरो नेविगेशन तकनीक के बारे में जानकारी देते हुए फॉर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल, जयपुर के न्यूरो सर्जरी के डायरेक्टर डॉ. हेमन्त भारतीय ने कहा "जैसा कि नाम से ही विदित है न्यूरो नेविगेशन न्यूरो सर्जन्स के लिए एक कम्प्यूटर निर्देशक है, जो मस्तिश्क और मेरुदण्ड (स्पाइनल कॉर्ड) में नेविगेशन के माध्यम से ट्यूमर की स्थिति का सटीक वर्णन दर्शाता है ताकि उसी के अनुरूप सर्जिकल एप्रोच की प्लानिंग और अधिक ठीक तरीके से की जा सके। इस इमेजिंग तकनीक से सर्जन सर्जरी

■ **एन्यूरिज्म मरीजों के गैर सर्जिकल इलाज का विकल्प उपलब्ध कराता है**

के दौरान मरीज के मस्तिश्क की एनोटॉमी को देख सकते हैं और विधि पूर्वक एनोटॉमी के मुताबिक अपने सर्जिकल इंस्ट्रूमेंट का मार्ग बना सकते हैं।

फॉर्टिस में हुई 5000 से अधिक न्यूरो सर्जरीज और अपने 30 वर्ष के केरियर में 12000 से अधिक न्यूरो सर्जरी कर चुके डॉ. भारतीय अब तक कई प्रकार के जटिलतम न्यूरो सर्जरी के मरीजों का इलाज कर चुके हैं, और उनकी चुनौतियों से भलीभांति वाकिफ हैं। उन्होंने बताया कि किस प्रकार न्यूरो नेविगेशन कुछ महत्वपूर्ण चुनौतियों पर काबू पाने में मददगार है। "न्यूरो नेविगेशन विशेशकर मस्तिश्क के उन ट्यूमर्स की सर्जरी में मददगार है, जो मस्तिष्क के अति संवेदनशील भागों में होते हैं या मस्तिष्क के ऐसे स्थान पर होते हैं जिन्हें खोज पाना काफी कठिन होता है जैसे कि गहराई में बने ट्यूमर और खोपड़ी या ललाट पर बने ट्यूमर्स। यह तकनीक संवहनी घावों (वॉस्कूलर लीजन्स) तथा कुछ सिस्ट की शल्यक्रिया के निर्णय में भी उपयोगी साबित होती है। न्यूरो सर्जन्स जो कि अब तक एमआरआई और सीटी स्कैन पर निर्भर रहा करते थे, वे अब सही वक्त पर इस विकल्प के माध्यम से सही स्थिति का पता लगा सकेंगे। इस तकनीक से हम इस प्रकार के मसलों में जटिलताओं को दक्षता पूर्वक संभाल सकेंगे और इसके सर्जिकल परिणाम काफी बेहतर मिल सकेंगे।

उन्होंने कहा कि फॉर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल में समर्पित न्यूरो सर्जन्स की टीम है और पूरी न्यूरो सर्जरी टीम को इस टेक्नोलॉजी, इसमें प्रयुक्त होने वाले उपकरणों एवं इसके कम्प्यूटर के साथ एकीकरण के उपयोग के बारे में विशेश कुशलता का प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। डॉ. भारतीय ने बताया कि न्यूरो नेविगेशन सुविधा फॉर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल जयपुर में मरीजों को बिना किसी अतिरिक्त खर्च पर उपलब्ध करवाई जाएगी।

न्यूरो साइंस के क्षेत्र में विगत कुछ वर्शों में न्यूरोलॉजी और न्यूरो सर्जरी के अलावा एक नए क्षेत्र न्यूरो इंटरवकेशन का विकास हुआ है। इसमें कम से कम चीरा लगा कर इमेज आधारित टेक्नोलॉजी का प्रयोग किया जाता है तथा एन्यूरम्स, स्कीमिक स्ट्रोक्स, एरिटेरियो विनस मालफॉर्मेशन (एवीएमएस) और मस्तिश्क के उपरी हिस्से में ट्यूमर्स का इमोबिलाइजेशन संभव हो पाता है।